अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/2/1, 2/2/2, 2/2/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए |
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं | ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं | यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए |
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **20** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
- आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/2/1, 2/2/2, 2/2/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/2/1	2/2/2	2/2/3		
				खंड 'अ' **(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	**1**	**2**	**1**		**10x1=10**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(a) स्वच्छता	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(c) गांधी जयंती से	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(a) जातीय भेदभाव	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(d) स्वच्छता के महत्त्व को नहीं समझने के कारण	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(c) स्वच्छता सबसे आवश्यक	**1**
	(vi)	**(vi)**	**(vi)**	(b) स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से	**1**
	(vii)	**(vii)**	**(vii)**	(c) देश के नागरिकों तक सुविधा पहुँचाना	**1**
	(viii)	**(viii)**	**(viii)**	(d) शिक्षा संबंधी कार्यक्रम	**1**
	(ix)	**(ix)**	**(ix)**	(c) स्वस्थ समाज बनाने के लिए	**1**
	(x)	**(x)**	**(x)**	(d) व्यक्तिगत	**1**
2	**2**	**1**	**2**	**काव्यांश - एक**	**5x1=5**
	(i)	**(i)**	**(i)**	(a) कर्ण	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(c) प्रकृति के रहस्यों से अनजान रहने से	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(b) प्रतिभा को छिपाया नहीं जा सकता	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(c) अर्जुन से अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए	**1**
	(v)	**(v)**	**(v)**	(c) सस्ती लोकप्रियता वाले को	**1**
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**काव्यांश - दो**	
	(i)	**(i)**	**(i)**	(d) गुप्त रूप से रहना	**1**
	(ii)	**(ii)**	**(ii)**	(b) दृढ़ होकर	**1**
	(iii)	**(iii)**	**(iii)**	(a) कायर को	**1**
	(iv)	**(iv)**	**(iv)**	(b) कठिनाइयों का समाप्त होना	**1**

	(v)	(v)	(v)	(c) परिश्रम	1
3	3	4	3		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(d) अन्य खबर से जोड़कर लेखन	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) पाठकों की रुचियों के लिए	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) संवाददाता	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) अखबार की आवाज	1
	(v)	(v)	(v)	(b) आत्मनिष्ठ	1
4	4	3	4		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(b) कागज	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) भावों की आँधी	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) कल्पना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) शब्दों के अंकुर फूट पड़े	1
	(v)	(v)	(v)	(c) सृजन के विकास में सहायक तत्त्व	1
5	5	5	5		5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(b) भ्रम पैदा करने के कारण	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) प्रभाव की सीमा	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(c) जेब भरी और मन खाली होने पर	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) विनाशक	1
	(v)	(v)	(v)	(a) जादू का असर	1
6	6	6	6		10x1=10
	(i)	-	-	(a) समय के पाबंद हैं	1
	-	(i)	-	(a) कृष्णानन्द पांडेय	1
	-	-	(i)	(a) असंतोष की स्थिति	1
	(ii)	-	-	(c) पिता को साइकिल पर देखना बच्चों को पसंद नहीं	1
	-	(ii)	-	(b) पढ़ने के लिए	1
	-	-	(ii)	(b) पिता के सहयोगी नहीं होने से	1
	(iii)	-	-	(d) बच्चों के प्रति मातृसुलभ मजबूरी से	1
	-	(iii)	-	(b) मैदानी संस्कृति	1
	-	-	(iii)	(d) मुअनजो-दड़ो	1
	(iv)	-	-	(b) भाव अधिक लेने के लिए	1
	-	(iv)	-	(a) ताम्रकाल के शहरों में	1
	-	-	(iv)	(b) उनकी घड़ी से मेल नहीं खाने से	1
	(v)	-	-	(b) गाँव का सम्मानित व्यक्ति था	1
	-	(v)	-	(c) पुरातनपंथी	1
	-	-	(v)	(d) स्वाभिमानी	1
	(vi)	-	-	(a) खेती	1
	-	(vi)	-	(d) बड़े घर का होना	1

	-	-	**(vi)**	(a) विवशता	**1**
	(vii)	-	-	(d) गणित	**1**
	-	**(vii)**	-	(d), (a) और (b) दोनों	**1**
	-	-	**(vii)**	(c) लेखक के प्रति सहानुभूति	**1**
	(viii)	-	-	(a) दलदल की समस्या के कारण	**1**
	-	**(viii)**	-	(c) अनबूझ लिपि के कारण	**1**
	-	-	**(viii)**	(a) चूने और चिरोड़ी का	**1**
	(ix)	-	-	(a) हथियार	**1**
	-	**(ix)**	-	(b) कविताओं के साथ खेलने से	**1**
	-	-	**(ix)**	(c) अभिभूत करना	**1**
	(x)	-	-	(c) नीचा नगर	**1**
	-	**(x)**	-	(b) भाव-भंगिमा और गाने का ढंग	**1**
	-	-	**(x)**	(c) गढ़	**1**
				खंड 'ब' **(वर्णनात्मक प्रश्न)**	
7	**7**	**8**	**8**	किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख	**6**
				प्रारंभ, समापन विषयवस्तु प्रस्तुति भाषा	**1** **3** **1** **1**
8	**8**	**7**	**7**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	**समानताएँ -** • कथावस्तु का होना • पात्रों का होना • परिवेश का होना • कहानी का क्रमिक विकास, संवाद, द्वंद्व एवं चरमोत्कर्ष का होना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	• रेडियो नाटक पूर्णतः श्रव्य माध्यम, सिनेमा दृश्य एवं श्रव्य दोनों • रेडियो नाटक में दृश्य नहीं होना, सिनेमा में विज़ुअल्स अर्थात दृश्य होना • रेडियो नाटक में सब कुछ संवादों व ध्वनि प्रभावों के माध्यम से संप्रेषित करना, सिनेमा में मंच सज्जा, वस्त्र सज्जा एवं अभिनेता के चेहरे पर भाव-भंगिमाओं का भी होना	**3**

	(ग)	(ग)	(ग)	कोई निश्चित तकनीकी या फार्मूला नहीं विषय खुले मैदान की भांति **सावधानियाँ -** विषय के साहचर्य से मन में आए आकर्षक व सुसंगत विचार व्यक्त करना आकर्षक व निर्वाह योग्य आरंभ मस्तिष्क में क्रमानुसार रूपरेखा बनाना विचार प्रवाह में सुसंबद्धता उचित तालमेल - दो बातें आपस में एक-दूसरे का खंडन न करें लेख में व्यक्त विचारों में आत्मनिष्ठता एवं लेखक के व्यक्तित्व की छाप **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	1+2=3
9	9	9	9	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x4=8
	(क)	-	-	बीट - संवाददाताओं के बीच उनकी रुचि और ज्ञान के आधार पर कार्यविभाजन, जैसे-खेल जगत से जुड़ी बीट **तैयारी -** विषय संबंधी गहन, विस्तृत, सूक्ष्म जानकारी संबंधित क्षेत्र की भाषा - शैली से पूर्णतः परिचित जानकारी की पुष्टि करना विश्वसनीयता **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2+2=4
	-	(क)	-	दृश्य, श्रव्य एवं मुद्रित माध्यमों की सुविधा एक साथ उपलब्ध सूचनाओं के आदान-प्रदान का त्वरित माध्यम असीमित ज्ञान एवं मनोरंजन प्रदान करना व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संवादों के आदान-प्रदान का साधन तमाम प्रमुख समाचार पत्र उपलब्ध होना **(कोई चार बिंदु अपेक्षित)**	4
	-	-	(क)	भाषा, व्याकरण, वर्तनी, शब्दों का उपयुक्त प्रयोग पाठकों के भाषा-ज्ञान के साथ-साथ उनके शैक्षिक ज्ञान व योग्यता का विशेष ध्यान पाठकों की रुचियों व जरूरतों का पूरा ध्यान	4

				• प्रकाशन की समय-सीमा (डेडलाइन) का ध्यान • शब्द-सीमा व स्पेस का ध्यान • छपने से पूर्व आलेख की सभी त्रुटियों को दूर करना **(कोई चार बिंदु अपेक्षित)**	
	(ख)	**-**	**-**	**संपादक के नाम पत्र -** • समाचार पत्रों में संपादकीय पृष्ठ पर तथा पत्रिकाओं के आरंभ में • संपादक के नाम पाठकों द्वारा लिखे पत्रों का प्रकाशन • स्थायी स्तंभ • पाठकों का अपना स्तंभ **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **उपयोगिता -** • पाठकों की भागीदारी • पाठकों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करना • जन-समस्याओं को उठाना • जनमत को प्रतिबिंबित करना • नए लेखकों के लिए लेखन के आरंभ व सुधारने का अच्छा अवसर **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2+2=4**
	-	**(ख)**	**-**	**अंतर-** • साक्षात्कारकर्ता द्वारा किसी अन्य व्यक्ति से तथ्य, उसकी राय और भावनाएँ जानने के लिए प्रश्न पूछना • साक्षात्कार का स्पष्ट उद्देश्य व ढाँचा, लेकिन सामान्य बातचीत में निजी भावनाओं की अभिव्यक्ति, विषय-सीमा नहीं **गुण-** • संवेदनशीलता • कूटनीति • धैर्य • साहस • पर्याप्त जानकारी / ज्ञान	**2+2=4**

				(कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
	-	-	**(ख)**	**फीचर लेखन -** ▯ सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन **उद्देश्य -** ▯ पाठकों को सूचना देना एवं मनोरंजन करना ▯ लेखन की कोई निश्चित शैली / ढाँचा नहीं ▯ प्रायः कथात्मक शैली, भाषा-सरल, रूपात्मक, आकर्षक, मन को छूने वाली ▯ अपनी राय या दृष्टिकोण और भावनाएँ व्यक्त करने का अवसर **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **समाचार लेखन -** ▯ उल्टा पिरामिड शैली ▯ छः ककारों के उत्तर देने का प्रयास ▯ वस्तुनिष्ठता व तथ्यों की शुद्धता पर बल ▯ सूचना के स्रोत को उद्धृत करना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2+2=4**
	(ग)	-	-	**दृश्य-** कैमरें में लिए गए शॉट्स, जिनके आधार पर खबर बुनी जाती है **कारण -** ▯ टेलीविजन के लिए समाचार लिखने की बुनियादी शर्त - दृश्य के साथ लेखन ▯ शब्द परदे पर दिखने वाले दृश्य के अनुकूल हों **उदाहरण -** आसमान से जुड़ी खबर के लिए आसमान का दृश्य हो, समुद्र का नहीं	**1+2+1=4**
	-	**(ग)**	-	**इंट्रो और बॉडी -** इंट्रो- समाचार का पहला अनुच्छेद (किसी घटना, समस्या, विचार के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य, सूचना, जानकारी देना) बॉडी - समाचार का विस्तार **संबंध -** समाचार लेखन से **शैली -** उल्टा पिरामिड शैली	**2+1+1=4**
	-	-	**(ग)**	**संपादकीय लेख -** संपादक मंडल (संपादक व सहयोगी) द्वारा लिखना	**1+2+1=4**

				महत्तव - अखबार की आवाज, किसी घटना, समस्या, मुद्दे के प्रति अपनी राय व्यक्त करना किसी व्यक्ति विशेष के विचार न होकर, अखबार का प्रतिनिधित्व होने के कारण लेखन के साथ किसी का नाम न लिखा होना	
10	**10**	**10**	**10**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**-**	**(ख)**	प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता के संदर्भ में प्राणि-वर्ग (विशेषकर मनुष्य)की भावनाओं की काव्यात्मक अभिव्यक्ति प्रेम की महत्ता का प्रतिपादन प्रेम के अभाव में जीवन में शिथिलता आना प्रेम की तरंग से जीवन में उत्साह व उमंग का संचार **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	-	**(क)**	**-**	कवि का मन सांसारिक व्यवहार से आहत अपने मन की इच्छानुसार जीना संसार के प्रति निर्लिप्तता का भाव कवि का जीवन-दर्शन अभिव्यक्त **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	-	**-**	**(क)**	आज भी बेरोजगारी विद्यमान भूख मिटाना एक चुनौती समाज में जातिगत भेद-भाव मूल्यहीनता नारी की दयनीय स्थिति **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ख)	**-**	**-**	माध्यम या भाषा को प्रभावशाली बनाने के चक्कर में कथ्य के प्रभावहीन हो जाने का डर **कारण-** कवि का भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए अनावश्यक भाषिक-उपकरणों द्वारा सजाने हेतु प्रेरित दिखाई देना दर्शकों की शाबाशी और वाहवाही से प्रभावित होने की प्रवृत्ति	**1+2=3**

	-	**(ख)**	-	छात्रों की निजी अभिव्यक्ति (मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	**3**
	(ग)	-	-	• अपाहिज की पीड़ा का बाजारीकरण • मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता • कारोबारी दबाव के कारण हृदयहीनता	**3**
	-	**(ग)**	-	• विद्यार्थियों के उचित तर्क के आधार पर मूल्यांकन **यथा -** • असंवेदनशीलता दर्शाना उचित नहीं • भावनाओं को ठेस पहुँचाना व रुलाने का प्रयास उचित नहीं • पीड़ा का बाजारीकरण उचित नहीं	**3**
	-	-	**(ग)**	• मीडिया की कार्यप्रणाली पर व्यंग्य करना • दूरदर्शन की सामाजिक प्रतिबद्धता स्पष्ट करना • मीडिया का उद्देश्य-व्यावसायिक हितों की पूर्ति मात्र नहीं - बताना • मानवीयता की रक्षा करना • करुणा, दया, सहानुभूति के साथ स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग देना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
11	**11**	**13**	**11**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**(क)**	**(क)**	• पंक्तिबद्ध रूप में उड़ते श्वेत बगुलों का बादलों के ऊपर तैरती साँझ की श्वेत काया के समान दिखाई देना	**2**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	बादलों का आह्वान क्रांतिदूत / विप्लव के प्रतीक रूप मे / परिवर्तन के अग्रदूत **कारण -** • शोषण से मुक्ति हेतु • समाज से अन्याय, अत्याचार, आतंक की समाप्ति हेतु	**1+1=2**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	**दरिद्रता की तुलना -** दस सिर वाले रावण से	**1+1=2**

				कारण - दरिद्रता रूपी रावण से सभी त्रस्त, पीड़ित, आतंकित	
12	12	11	12	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x3=6
	(क)	(क)	(क)	• निस्वार्थ सेवाभाव • लेखिका के प्रति पूर्णनिष्ठा, प्रेम, समर्पण • परछाई की तरह सदैव उनके साथ रहना	3
	(ख)	(ख)	(ख)	• अंधविश्वास मानना • पानी के महत्व को समझना • पानी की घोर कमी होना • अज्ञानतावश महत्वपूर्ण वस्तु को बर्बाद करना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
	(ग)	(ग)	(ग)	• संस्कृत-साहित्य में शिरीष-पुष्प को बहुत कोमल मानना • कालिदास का इस पुष्प पर पक्षपात • केवल भौरों (कीट-पतंगों) का ही कोमल दबाव सहन करने में सक्षम बताना • पक्षियों का भार सहने में पूर्णतया असमर्थ **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	3
13	13	12	13	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	2x2=4
	(क)	(क)	(क)	• ढोल की आवाज से प्रेरणा प्राप्त कर पहलवानी के दाँवपेंच सीखना और दंगल जीतना • ढोल की थाप से ऊर्जा पाना, जोश का संचार होना • अपनी जीत का श्रेय ढोल को देना और उसे अपना गुरु मानना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	(ख)	(ख)	(ख)	• त्याग और दया की भावना में विश्वास • अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के निर्वाह पर बल • गांधी जी की 'यथा प्रजा, तथा राजा' उक्ति में विश्वास **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2
	(ग)	(ग)	(ग)	पर्चेजिंग पावर - खरीदने की शक्ति	1+1=2

				सकारात्मक उपयोग - ▯ भरे मन से अर्थात खरीदने की आवश्यक वस्तु निर्धारित कर बाज़ार जाना ▯ बाजार के आकर्षण को हावी नहीं होने देना ▯ आवश्यकता के अनुरूप ही खरीदारी करना **(कोई एक बिंदु अपेक्षित)**	

****